Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 जुलाई, 2022

कारगिल विजय दिवस

देश में **26 जुलाई, 2022** को **कारगिल विजय दिवस** मनाया गया। **26 जुलाई, 1999 को कारगिल युद्ध (Kargil War) में विजय हासिल करने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष कारगिल विजय दिवस (Kargil Vijay Diwas) मनाया जाता है।** इस वर्ष कारगिल विजय दिवस की **23वीं वर्षगाँठ** है। कारगिल युद्ध को **ऑपरेशन विजय** के नाम से भी जाना जाता है। **वर्ष 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच मई से जुलाई** के बीच कश्मीर के कारगिल क्षेत्र में हुए सशस्त्र संघर्ष को ही कारगिल युद्ध (Kargil War) कहा जाता है। यह लगभग 60 दिनों तक चला तथा 26 जुलाई, 1999 को समाप्त हुआ था। इस युद्ध को जीतने के लिये भारतीय सेना ने दुर्गम बाधाओं, दुश्मन के इलाकों, विपरीत मौसम एवं अन्य कठिनाइयों का सामना करते हुए विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में भारतीय सेना के बहुत से जवान शहीद और घायल हुए। यह दिवस सेना के अदम्य साहस एवं बलिदान के सम्मान में मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी **29 जुलाई, 2022** को **गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFACA)** के मुख्यालय भवन की आधारशिला रखेंगे। यह प्राधिकरण भारत में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास एवं विनियमन के लिये एकीकृत नियामक है। इस प्राधिकरण के मुख्यालय भवन को एक प्रतिष्ठित संरचना के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक की बढ़ती प्रतिष्ठा और संरचना को दर्शाता है। प्रधानमंत्री गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज यानी भारत इंटरनेशनल बुलियन का भी शुभारंभ करेंगे।

फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट

हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार ने विशाखापत्तनम ज़िले के पद्मनाभम मंडल में पायलट आधार पर “फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट” लागू करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना है। यह परियोजना 15 अगस्त, 2022 से लागू होगी। “फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट” के अंतर्गत वार्ड और ग्राम सचिवालयम में लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) के एक डॉक्टर को उपलब्ध कराया जाएगा। डॉक्टर उन रोगियों के पास जाएंगे, जो गंभीर रूप से बीमार हैं और जिन्हें प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल की आवश्यकता है। हालाँकि इससे पहले ANM आशा कार्यकर्त्ता और मिड-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर (MLHPs) घर-घर जाकर उन लोगों की पहचान करेंगे जिन्हें डॉक्टर की सेवाओं की आवश्यकता है। फैमिली डॉक्टर प्रोजेक्ट को लागू करने के लिये स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा पहले से ही PHC में कार्यरत कर्मचारियों हेतु पद्मनाभम मंडल में आशा कार्यकर्त्ताओं, MLHP और ANM को प्रशिक्षित करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-26-july-2022